शिक्षा निदेशालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
DIRECTORATE OF EDUCATION, GNCT OF DELHI
अभ्यास प्रश्न पत्र 1
PRACTICE PAPER 1
कक्षा – XII
CLASS – XII
अर्थशास्त्र (030)
Economics (030)
सत्र-II (2021-22)
TERM - II (2021–22)

अधिकतम अंक : **40** समय: **2** घंटे

Max Marks: 40 **Time: 2 hrs**

General Instructions:

This is a Subjective Question Paper containing 13 questions.

This paper contains 5 questions of 2 marks each, 5 questions of 3 marks each and 3 questions of 5 marks each.

2 marks questions are Short Answer Type Questions and are to be answered in 30-50 words.

3 marks questions are Short Answer Type Questions and are to be answered in 50- 80 words.

5 marks questions are Long Answer Type Questions and are to be answered in 80-120 words.

This question paper contains Case/Source Based Questions.

सामान्य निर्देश:

यह एक व्यक्तिपरक प्रश्न पत्र है जिसमें 13 प्रश्न हैं।

इस प्रश्न-पत्र में 2 अंकों के 5 प्रश्न, 3 अंकों के 5 प्रश्न और 5 अंकों के 3 प्रश्न हैं।

2 अंक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न हैं जिनका उत्तर 30-50 शब्दों में देना है।

3 अंक के प्रश्न लघु उत्तरीय प्रश्न हैं जिनका उत्तर 50- 80 शब्दों में देना हैं।

5 अंक के प्रश्न दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं जिनका उत्तर 80-120 शब्दों में देना है।

इस प्रश्न पत्र में केस/स्रोत आधारित प्रश्न हैं।

Q N. प्र. सं.		**Marks** अंक
1	**Differentiate between real flow and money flow.**	**2**

<table>
<tr>
<td></td>
<td>

OR

Distinguish between Capital goods and Consumption Goods with examples.

वास्तविक प्रवाह और मौद्रिक प्रवाह के मध्य अंतर कीजिए।

अथवा

पूंजीगत वस्तुओं और उपभोग वस्तुओं में उदाहरण सहित भेद कीजिए।

</td>
<td>2
2
2</td>
</tr>
<tr>
<td>2</td>
<td>

Value of which of the following can be greater than one and why?
(i) Marginal propensity to consume(MPC) (ii) Average propensity to consume(APC)

OR

Complete the following table:

<table>
<tr><th>Consumption expenditure (Rs)</th><th>Saving (Rs)</th><th>Income (Rs)</th><th>Marginal propensity to consume</th></tr>
<tr><td>100</td><td>50</td><td>150</td><td>-</td></tr>
<tr><td>175</td><td>-</td><td>250</td><td>-</td></tr>
<tr><td>250</td><td>100</td><td>-</td><td>-</td></tr>
</table>

निम्नलिखित में से किसका मान एक से अधिक हो सकता है और क्यों?
(i) सीमांत उपभोग प्रवृत्ति (एमपीसी) **(ii)** औसत उपभोग प्रवृत्ति (एपीसी)

अथवा

निम्नलिखित तालिका को पूरा करें:

<table>
<tr><th>उपभोग व्यय (रु.)</th><th>बचत (रु.)</th><th>आय (रु.)</th><th>सीमांत उपभोग प्रवृत्ति</th></tr>
<tr><td>100</td><td>50</td><td>150</td><td>-</td></tr>
<tr><td>175</td><td>-</td><td>250</td><td>-</td></tr>
<tr><td>250</td><td>100</td><td>-</td><td>-</td></tr>
</table>

</td>
<td>2
2
2
0.5 ×2</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>

Give the meaning of average propensity to save. What is its relation with average propensity to consume?

औसत बचत प्रवृत्ति का अर्थ बताइए। इसका औसत उपभोग प्रवृत्ति से क्या संबंध है?

</td>
<td>2
2</td>
</tr>
</table>

4	**Households in rural areas generally use wood, dung cake or other biomass as fuel. This practice has several adverse implications. Enumerate such implications.** ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार सामान्यतया लकड़ी, उपले या अन्य जैव-ईंधन का उपयोग ईंधन के रूप में करते हैं। इस व्यवहार के कई प्रतिकूल प्रभाव हैं। इसके निहितार्थ बताइये।	**2** **2**
5	**What are the two types of infrastructure? Explain with examples.** **OR** **Explain the meaning of "carrying capacity of environment". How is it related to the Environment crisis?** आधारिक संरचना के दो प्रकार क्या हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। अथवा 'पर्यावरण की धारण क्षमता' के अर्थ की व्याख्या कीजिये। यह पर्यावरण संकट से कैसे संबंधित है?	**2** **2** **2** **2**
6	**The consumption function of an economy is C = 100 + 0.8Y.** **(a) What is the values of autonomous consumption?** **(b) What will be the slope of the consumption curve?** **(c) What is the level of income at Break-Even Point?** **OR** **What change will take place in the economy if aggregate demand exceeds aggregate supply?** एक अर्थव्यवस्था का उपभोग फलन **C = 100 + 0.8Y** है। (अ) स्वायत्त उपभोग का मान क्या हैं? (ब) उपभोग वक्र का ढलान क्या होगा? (स) समस्तर बिंदु पर आय का स्तर क्या है? अथवा अर्थव्यवस्था में क्या परिवर्तन होगा यदि समग्र मांग, समग्र आपूर्ति से अधिक हो जाती है?	**3** **3** **3** **3**
7	**In India the percentage of the female workforce is lower as compared to males. why?** भारत में पुरुषों की तुलना में महिला कार्यबल का प्रतिशत कम है। क्यों?	**3** **3**
	Read the following text carefully and answer question number 8 and 9 given below:	

China and India are the two emerging economies in the world. As of 2021, China and India are the 2nd and 5th largest economies in the world, respectively, on a nominal basis. On a PPP basis, China is at 1st, and India is at 3rd place. Both countries share 21% and 26% of the total global wealth in nominal and PPP terms, respectively. Among Asian countries, China and India together contribute more than half of Asia's GDP.

In 1987, the GDP (Nominal) of both countries was almost equal; even in ppp terms, China was slightly ahead of India in 1990. Now in 2021, China's GDP is 5.46 times higher than India. On ppp basis, the GDP of China is 2.61 times of India. China crossed the $1 trillion mark in 1998, while India crossed nine years later in 2007 on an exchange rate basis.

Both countries have been neck-to-neck in per capita terms till 1990. As per both methods, India was richer than China in 1990. In 2021, China is almost 5.4 times richer than India on the nominal and 2.58 times richer in the ppp method. The per capita rank of China and India is 63rd and 147th, respectively in nominal. The per capita rank of China and India is 76th and 130th, resp, in ppp.

China attained a maximum growth rate of 19.30% in 1970 and a minimum of -27.27% in 1961. India reached an all-time high of 9.63% in 1988 and a record low of -5.24% in 1979. From 1961 to 2019, China grew by more than 10% in 22 years while India never. GDP growth rate was negative in five and four years for China and India, respectively.

According to CIA Factbook, the sector-wise GDP composition of India in 2017 are as follows: Agriculture (15.4%), Industry (23%), and Services (61.5%). The Sector-wise GDP composition of China in 2017 are Agriculture (8.3%), Industry (39.5%), and Services (52.2%).

(Source https://statisticstimes.com/economy/china-vs-india-economy.php)

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्न संख्या **8** और **9** का उत्तर दें:

चीन और भारत दुनिया की दो उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं। 2021 तक, चीन और भारत मौद्रिक आधार पर क्रमशः दुनिया की दूसरी और पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। पीपीपी के आधार पर चीन पहले और भारत तीसरे स्थान पर है। दोनों देश कुल वैश्विक संपत्ति का क्रमशः 21% और 26% मौद्रिक और पीपीपी शर्तों में साझा करते हैं। एशियाई देशों में, चीन और भारत मिलकर एशिया के सकल घरेलू उत्पाद में आधे से अधिक का योगदान करते हैं।

1987 में दोनों देशों की जीडीपी (मौद्रिक) लगभग बराबर थी; पीपीपी के लिहाज से भी चीन 1990 में भारत से थोड़ा आगे था। अब 2021 में चीन की जीडीपी भारत से 5.46

	गुना ज्यादा है। पीपीपी आधार पर चीन की जीडीपी भारत का 2.61 गुना है। चीन ने 1998 में 1 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया, जबकि भारत ने नौ साल बाद 2007 में विनिमय दर के आधार पर पार किया। दोनों देश 1990 तक प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आमने-सामने रहे हैं। दोनों तरीकों के अनुसार, भारत 1990 में चीन से अधिक अमीर था। 2021 में, चीन मौद्रिक विधि मामले में भारत की तुलना में लगभग 5.4 गुना और पीपीपी विधि में दुनिया में 2.58 गुना अधिक अमीर है। चीन और भारत का प्रति व्यक्ति रैंक क्रमशः 63वां और 147वां है। पीपीपी में चीन और भारत का प्रति व्यक्ति रैंक 76वां और 130वां है। चीन ने 1970 में 19.30% की अधिकतम जीडीपी विकास दर और 1961 में न्यूनतम -27.27% प्राप्त की। भारत 1988 में 9.63% के सर्वकालिक उच्च और 1979 में -5.24% के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। 1961 से 2019 तक, चीन ने 22 वर्षों में 10% से अधिक की वृद्धि की, जबकि भारत ने इतनी वृद्धि कभी नहीं की। चीन और भारत के लिए क्रमशः पांच और चार वर्षों में जीडीपी विकास दर नकारात्मक रही थी। सीआईए फॅक्टबुक के अनुसार, 2017 में भारत की क्षेत्रवार जीडीपी संरचना इस प्रकार है: कृषि (15.4%), उद्योग (23%), और सेवाएं (61.5%)। 2017 में चीन की क्षेत्रवार जीडीपी संरचना कृषि (8.3%), उद्योग (39.5%), और सेवाएं (52.2%) हैं।	
8	**Explain briefly the various development strategies of China after reforms.** सुधारों के बाद चीन की विभिन्न विकास रणनीतियों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए।	**3** **3**
9	**Explain the "Great Leap Forward campaign" of China as initiated in 1958.** चीन द्वारा **1958** में शुरू किए गए **"**ग्रेट लीप फॉरवर्ड अभियान**"** की व्याख्या कीजिए।	**3** **3**
10	**Distinguish between domestic income and national income. When can domestic income be more than national income?** घरेलू आय और राष्ट्रीय आय में अंतर स्पष्ट कीजिए। घरेलू आय राष्ट्रीय आय से अधिक कब हो सकती है**?**	**3** **3**
11	**What is the Inflationary Gap? Explain it with the help of a diagram. Explain two monetary measures to reduce this gap.** स्फीतिक अंतराल क्या है**?** एक चित्र की सहायता से इसे स्पष्ट कीजिए। इस अंतराल को कम करने के लिए दो मौद्रिक उपायों की व्याख्या करें।	**5** **5**

12 **(a) Calculate 'sales' from the following data;**

Items	₹ (in lakh)
1.Intermediate cost	240
2.Consumption of fixed capital	40
3.Change in stock	(-)60
4. Indirect tax	30
5. Net value added at factor cost	300

3

(b) Giving reasons explain how the following should be treated in the estimation of national income.

i. Payment of Corporate tax by a Firm.

ii. Purchase of machinery by a factory owner for own use.

2

OR

(a)From the following data calculate National Income.

Items	Rs (in crore)
1.Mixed income of self employed	700
2 Net Domestic capital formation	400
3. Operating surplus	720
4 Compensation of employees	1,900
5. Net indirect tax	400
6. Net Factor income to abroad	20
7. Interest	150
8. Consumption of fixed capital	20

3

(b) All machines are not Capital goods. Describe.

2

(अ) निम्नलिखित आंकड़ों से 'बिक्री' की गणना करें;

मद	₹ (लाख में)
1.मध्यवर्ती लागत	240
2. अचल पूंजी का उपभोग	40

3. स्टॉक में परिवर्तन	**(-)60**
4. अप्रत्यक्ष कर	**30**
5. साधन लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि	**300**

3

(ब) कारण बताते हुए समझाइये कि राष्ट्रीय आय के आकलन में निम्नलिखित के साथ क्या व्यवहार कियाँ जाना चाहिए।

i.एक फर्म द्वारा निगम कर का भुगतान।

ii. एक कारखाने के मालिक द्वारा स्वयं के उपयोग के लिए मशीनरी की खरीद। **2**

अथवा

(अ) निम्नलिखित आँकड़ों से राष्ट्रीय आय की गणना कीजिए

मद	रुपये (करोड़ में)
1.स्वरोजगार की मिश्रित आय	**700**
2 शुद्ध घरेलू पूंजी निर्माण	**400**
3. प्रचालन अधिशेष	**720**
4 कर्मचारियों का पारिश्रमिक	**1,900**
5. शुद्ध अप्रत्यक्ष कर	**400**
6. विदेशों को शुद्ध साधन आय	**20**
7. ब्याज	**150**
8. अचल पूंजी का उपभोग	**20**

3

(ब) सभी मशीनें पूंजीगत वस्तुएं नहीं होती हैं। व्याख्या कीजिए। **2**

13 **(a) In mid–2020, India's medical tourism sector was estimated to be worth US$5–6 billion. India is emerging as a destination hub for medical tourism. Defend the statement with valid arguments.** **2**

(b) What are the functions of the environment? Mention any three functions. **3**

(अ) **2020** के मध्य में, भारत के चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र का मूल्य **5-6** बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान लगाया गया था। भारत चिकित्सा पर्यटन के लिए एक गंतव्य केंद्र के रूप में उभर रहा है। मान्य तर्कों के साथ कथन का समर्थन कीजिए। **2**

(ब) पर्यावरण के क्या कार्य हैं? कोई तीन कार्य बताइये। **3**

शिक्षा निदेशालय राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
Directorate of Education, GNCT of Delhi
Suggestive Answer of Practice Paper 1
अभ्यास प्रश्न-पत्र 1 के सुझावात्मक उत्तर
कक्षा – XII
CLASS – XII
अर्थशास्त्र (030)
Economics (030)
सत्र – II (2021-22)
TERM II (2021 – 22)

अधिकतम अंक : 40 समय: 2 घंटे
Max Marks: 40 **Time: 2 hrs**

Q N. प्र. सं.	Expected Answer अपेक्षित उत्तर	Marks अंक
1	Real flow refers to the flow of the actual goods or services and factors services, While money flow refers to the payments for the factors of production (e.g. wages) and consumption expenditure. **OR** Capital goods are those final goods which help in the production of other goods and services. Example machinery purchased by a producer. Consumption goods refers to those goods which directly satisfy the wants of the consumers. For example - Milk purchased by households. **(Marked as a whole)** वास्तविक प्रवाह वास्तविक वस्तुओं या सेवाओं और कारक सेवाओं के प्रवाह को संदर्भित करता है, जबकि मौद्रिक प्रवाह उत्पादन के कारकों (उदाहरण मजदूरी) के लिए भुगतान और उपभोग व्यय के लिए मुद्रा के प्रवाह को संदर्भित करता है। अथवा पूंजीगत वस्तुएँ वे अंतिम वस्तुएँ हैं जो अन्य वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन में सहायता करती हैं। उदाहरण के लिए एक उत्पादक द्वारा खरीदी गई मशीनरी। उपभोग वस्तुएँ उन वस्तुओं को संदर्भित करती हैं जो उपभोक्ताओं की आवश्यकताओं की सीधे संतुष्ट करतीं हैं उदाहरण के लिए गृहस्थों द्वारा क्रय किया गया दूध। (एक साथ मूल्यांकित किया जाय)	2 2 2 2
2	The value of Average propensity to consume(APC) can be greater than one. This is because total consumption can be greater than total income, due to autonomous consumption. **OR**	2

<table>
<tr>
<td></td>
<td>
<table>
<tr><th>Consumption expenditure (Rs)</th><th>Saving (Rs)</th><th>Income (Rs)</th><th>Marginal propensity to consume</th></tr>
<tr><td>100</td><td>50</td><td>150</td><td>-</td></tr>
<tr><td>175</td><td>75</td><td>250</td><td>75/100=0.75</td></tr>
<tr><td>250</td><td>100</td><td>350</td><td>75/100=0.75</td></tr>
</table>
<p>औसत उपभोग प्रवृत्ति (APC) का मान एक से अधिक हो सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि स्वायत्त उपभोग के कारण कुल उपभोग, कुल आय से अधिक हो सकता है।</p>
<p>अथवा</p>
<table>
<tr><th>उपभोग व्यय (रु.)</th><th>बचत (रु.)</th><th>आय (रु.)</th><th>सीमांत उपभोग प्रवृत्ति</th></tr>
<tr><td>100</td><td>50</td><td>150</td><td>-</td></tr>
<tr><td>175</td><td>75</td><td>250</td><td>75/100=0.75</td></tr>
<tr><td>250</td><td>100</td><td>350</td><td>75/100=0.75</td></tr>
</table>
</td>
<td>0.5×4
2
0.5×4</td>
</tr>
<tr>
<td>3</td>
<td>The ratio of aggregate saving to aggregate income is known as average propensity to save (APS). Dividing aggregate saving by aggregate income, we get APS.
Symbolically, APS = S/Y
The sum of APC and APS is equal to one.
APC + APS = 1
कुल बचत और कुल आय के अनुपात को औसत बचत प्रवृत्ति (APS) के रूप में जाना जाता है। कुल बचत को कुल आय से विभाजित करके हमें APS मिलता है।
प्रतीकात्मक रूप से, APS = S/Y
APC और APS का योग एक के बराबर होता है।
APC + APS = 1</td>
<td>1.5
0.5
1.5
0.5</td>
</tr>
<tr>
<td>4</td>
<td>(i) Deforestation
(ii) Reduction in green cover
(iii) Misuse of cattle dung
(iv) Air pollution.
(v) Adverse effects on health.
(Any four)
(i) वन-विनाश
(ii) हरित आवरण में कमी
(iii) मवेशियों के गोबर का दुरुपयोग
(iv) वायु प्रदूषण
(v) स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव
(कोई चार)</td>
<td>0.5×4
0.5×4</td>
</tr>
</table>

5	Infrastructure is classified into two categories: i) Economic infrastructure: It refers to the infrastructure which helps in the process of production and distribution, it improves the quality of economic resources and thus raises productivity. Eg. Energy,transportation, communication etc. ii) Social infrastructure: All those facilities and institutions that enhance the quality of human capital are called social infrastructure.Eg.Schools, hospitals, housing facilities etc. **OR** Carrying capacity of environment' implies : 1.Resource extraction should remain below the rate of resource regeneration. 2.Generation of waste should remain within the absorption capacity of the environment. If these two aspects are not fulfilled, then the environment fails to perform its vital function of life sustenance and it leads to the situation of Environmental Crisis. आधारिक संरचना को दो वर्गों में वर्गीकृत किया गया है: i) आर्थिक आधारिक संरचना: यह उस आधारिक संरचना को संदर्भित करता है जो उत्पादन और वितरण की प्रक्रिया में मदद करता है, यह आर्थिक संसाधनों की गुणवत्ता में सुधार करके उत्पादकता बढ़ाता है। उदाहरण ऊर्जा, परिवहन, संचार आदि। ii) सामाजिक आधारिक संरचना: वे सभी सुविधाएं और संस्थाएं जो मानव पूंजी की गुणवत्ता को बढ़ाती हैं, सामाजिक आधारिक संरचना कहलाती हैं। जैसे स्कूल, अस्पताल, आवास सुविधाएं आदि। अथवा पर्यावरण की धारण क्षमता' से तात्पर्य है: 1.संसाधन निष्कर्षण संसाधन पुनर्जनन की दर से कम रहना चाहिए। 2. उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की अवशोषण क्षमता के भीतर रहना चाहिए। यदि इन दोनों पहलुओं को पूरा नहीं किया जाता है, तो पर्यावरण जीवन पोषण के अपने महत्वपूर्ण कार्य को करने में विफल रहता है और यह पर्यावरण संकट की स्थिति की ओर जाता है।	**1** **1** **1** **1** **1** **1** **1** **1**
6	From the consumption function C = 100 + 0.8Y, a)Autonomous consumption = Rs.100 (b) Slope of consumption function = MPC = 0.8 (c) At Break even point, C = Y 100 + 0.8Y = Y Y - 0.8 Y = 100 0.2Y = 100 Y = 100/0.2 = 500 Therefore Level of income at break even point = Rs.500 **OR** In such a situation the following change will occur. 1.This is the situation of aggregate Demand >Aggregate Supply (AD>AS) 2. Producers use up their existing stocks of inventory. Hence the inventory falls. 3. To maintain the desired level of inventory stocks, producers plan to produce more. 4. Increase in production leads to increased AS. 5. It continues until AD = AS. **(To be marked as a whole)** उपभोग फलन से C = 100 + 0.8Y, (अ) स्वायत्त उपभोग = रु.100 (ब) उपभोग फलन का ढाल = MPC = 0.8	**1** **2** **3** **1**

	(स) समविच्छेद बिंदु पर, C = Y 100 + 0.8Y = Y Y - 0.8 Y = 100 0.2Y = 100 Y = 100/0.2 = 500 इसलिए, समविच्छेद बिंदु पर आय का स्तर = ₹ 500 अथवा ऐसी स्थिति में निम्नलिखित परिवर्तन होगा। 1. यह समग्र मांग > समग्र आपूर्ति (AD > AS) की स्थिति है। 2. उत्पादक अपने मालसूची स्टॉक का उपयोग कर लेते हैं जिससे मालसूची में कमी आ जाती है। 3. मालसूची स्टॉक के वांछित स्तर को बनाए रखने के लिए, उत्पादक अधिक उत्पादन करने की योजना बनाते हैं। 4. उत्पादन में वृद्धि से AS में वृद्धि होती है। 5. यह तब तक चलता रहता है जब तक AD = AS नही हो जाता। **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**	**2** **3**
7	In India the percentage of female workforce is lower as compared to males because: (i) Gender based social division of labour: It is assumed that men are meant to fulfill financial responsibilities and females are meant to take care of domestic chores. (ii) Female education in India is still a far cry, implying low opportunity for jobs. (iii) Among most of the families, job work for females is still governed by family decision rather than the individual's own decision. (iv) Many of the household activities that are done by women are not recognised as work. **(Any three relevant reason)** भारत मे पुरुषों की तुलना में महिला कार्यबल का प्रतिशत कम है क्योंकि: (i) श्रम का लिंग आधारित सामाजिक विभाजन: यह माना जाता है कि पुरुष वितीय जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए हैं और महिलाएं घरेलू काम-काज करने के लिए हैं। (ii)भारत में महिला शिक्षा अभी भी दूर की कौड़ी है,जिसके फलस्वरूप नौकरियों के अवसर कम मिलते हैं। (iii) अधिकांश परिवारों में, महिलाओं के लिए नौकरी का काम अभी भी व्यक्तिगत निर्णय के बजाय परिवार के निर्णय से नियंत्रित होता है। (iv) महिलाओं द्वारा किये जाने वाले घरेलू कार्यकलापों को काम के रूप में मान्यता नहीं दी जाती है। **(कोई तीन उपयुक्त कारण)**	**1** **1** **1** **1** **1** **1**
8	Since 1978, China began to introduce many reforms in phases. The reforms were initiated in the agriculture, foreign trade and investment sector. In agriculture, lands were divided into small plots which were allocated to individual households.They were allowed to keep all income from the land after paying taxes. In a later phase, reforms were initiated in the industrial sector. All enterprises which were owned and operated by local collectives in particular, were allowed to produce goods. Special economic zones (SEZs) were established. **(To be marked as a whole)** उत्तर- 1978 से चीन ने कई सुधारों को चरणबद्ध तरीके से लागू करना शुरू किया। सुधार कृषि, विदेश व्यापार और निवेश क्षेत्र में शुरू किए गए थे। कृषि में, भूमि को छोटे-छोटे भूखंडों में विभाजित किया गया जिसे अलग-अलग परिवारों को आवंटित किया गया। उन्हें करों का भुगतान करने के बाद भूमि से सभी आय रखने की अनुमति दी गई। बाद के चरण में, औद्योगिक क्षेत्र में	**3** **3**

	सुधार शुरू किए गए। विशेष रूप से स्थानीय समूहों के स्वामित्व और संचालित सभी उद्यमों को वस्तुओं का उत्पादन करने की अनुमति दी गई। विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना की गई। **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**	
9	The great Leap Forward campaign initiated in 1958 aimed at industrialisation of the country on a massive scale in rural areas. People were encouraged to set up industries in their backyards in rural areas. Communes were started under the Commune system in which people collectively cultivated lands. Campaign met with many problems - a severe drought caused havoc in China and killed about 30 million people. When Russia had conflict with China it withdrew its professionals who had earlier been sent to China to help the industrialisation process. **(To be marked as a whole)** चीन में ग्रेट लीप फॉरवर्ड अभियान देश के ग्रामीण क्षेत्रो में बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण के उद्देश्य से 1958 में शुरू किया गया। ग्रामीण क्षेत्र में लोगो को अपने घर के पिछवाड़े में उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। कम्यून पद्धति के अंतर्गत कम्यून्स शुरू किए गए जिसमे लोगों ने सामूहिक रूप से खेती की। अभियान कई समस्याओं के कारण सफल नही हो सका - गंभीर सूखे ने कहर बरपाया चीन में लगभग 30 मिलियन लोग मारे गए। जब रूस का चीन के साथ विवाद हुआ तो उसने अपने विशेषज्ञों को वापस बुला लिया, जिन्हें पहले औद्योगीकरण प्रक्रिया में मदद करने के लिए चीन भेजा गया था। **(पूरा एक साथ अंकित किया जाय)**	**3** **3**
10	**Domestic income** - Domestic income is the sum total of factor incomes generated by all the production units located within the domestic territory of a country in an accounting year. It is totally a domestic concept which includes income earned by all the people within the domestic territory of a country, regardless of residents or non residents.It does not include Net Factor Income from Abroad (NFIA). **National income** - National income is defined as the sum total of factor incomes viz. rent, wages, interest and profit accruing to the normal residents of a country for their productive services in an accounting year. It deducts the income earned by the non-residents in the country which is remitted abroad, and adds the factor income earned by residents of a country from abroad. It includes Net Factor Income from Abroad (NFIA). Domestic income can be more than national income when the value of Net Factor Income from Abroad (NFIA) is negative घरेलू आय - घरेलू आय एक लेखा वर्ष के दौरान किसी देश के घरेलू सीमा में स्थित सभी उत्पादन इकाइयों द्वारा उत्पन्न कारक आय का कुल योग है। यह पूरी तरह से एक घरेलू अवधारणा है जिसमें किसी देश के घरेलू क्षेत्र में सभी लोगों द्वारा अर्जित आय शामिल है, चाहे वह देश के निवासी हों अथवा गैर-निवासी। इसमें विदेशों से शुद्ध साधन आय (NFIA) शामिल नहीं है। राष्ट्रीय आय **-** राष्ट्रीय आय को एक लेखा वर्ष के दौरान अर्जित उस कारक आय (जैसे किराया, मजदूरी, ब्याज और लाभ) के कुल योग के रूप में परिभाषित किया जाता है जो किसी देश के सामान्य निवासियों को उनकी उत्पादक सेवाओं के लिए दी जाती है । इसमें देश में गैर-निवासियों द्वारा अर्जित आय को घटाता है जिसे विदेशों में प्रेषित किया जाता है, और विदेशों से देश के निवासियों द्वारा अर्जित कारक आय को जोड़ा जाता है। इसमें विदेशों से शुद्ध साधन आय (NFIA) शामिल है घरेलू आय, राष्ट्रीय आय से अधिक हो सकती है जब विदेशों से शुद्ध साधन आय (NFIA) का मूल्य ऋणात्मक हो।	**1** **1** **1** **1** **1** **1**
11	The excess of aggregate demand over aggregate supply, at full employment level, is called inflationary gap.	**1**

Inflationary Gap (FE) is the measurement of excess demand and is equal to the difference between Aggregate Demand beyond full employment (FM) and Aggregate Demand at full employment (EM).
Inflationary Gap (FE) = FM - EM

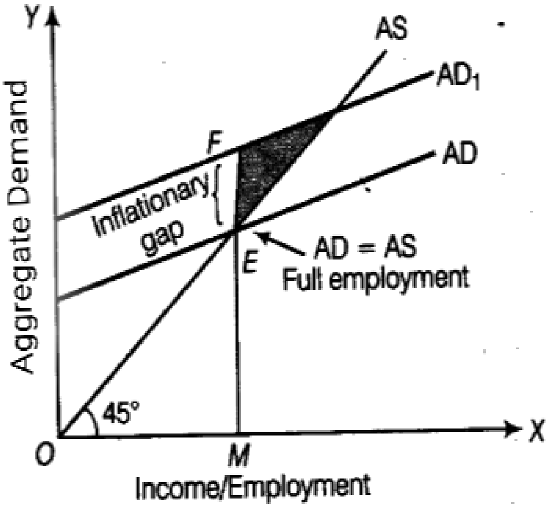

1

Two monetary measures to Correct the inflationary Gap :
(1) Statutory Liquidity Ratio: SLR refers to a fixed percentage of the total assets of a bank in the form of cash or other liquid assets that are required to be maintained by the bank. During the Inflationary Gap, SLR is increased. This reduces the credit creation capacity of Commercial Banks and reduces the flow of money in the economy. As a result of that, the aggregate demand comes down and ultimately the economy attains equilibrium. 1.5
(2) Repo rate: Repo rate is the rate at which the Central Bank lends money to the Commercial Banks for a short period. To correct the situation of Inflationary Gap, Repo Rate is increased. As a follow-up action, the Commercial banks raise the market rate of interest (the rate at which the Commercial Banks lends money to the consumers and the investors). This reduces demand for credit. Consequently, consumption expenditure and investment expenditure are reduced. Implying a reduction in Aggregate Demand, as required to correct inflationary Gap. 1.5

पूर्ण रोजगार स्तर पर, समग्र पूर्ति की तुलना में समग्र मांग की अधिकता को स्फीतिक अंतराल कहा जाता है।
स्फीतिक अंतराल (FE) अतिरिक्त मांग का माप है और पूर्ण रोजगार पर वास्तविक समग्र मांग (FM) और पूर्ण रोजगार स्तर हेतु आवश्यक समग्र मांग (EM) के बीच के अंतर के बराबर है।
स्फीतिक अंतराल (FE) = FM - EM 1

1

	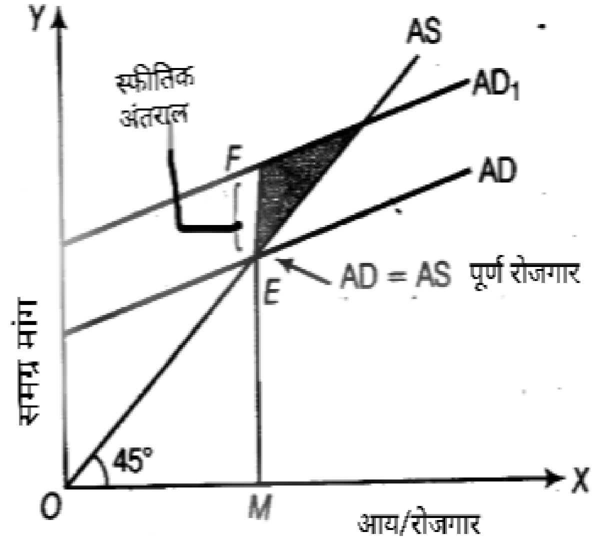 Y AS AD₁ स्फीतिक अंतराल F AD AD = AS पूर्ण रोजगार E समग्र मांग 45° O M X आय/रोजगार स्फीतिक अंतराल को ठीक करने के मौद्रिक उपाय: (1) वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) - एक बैंक की कुल संपत्ति का एक निश्चित प्रतिशत नकद या अन्य तरल संपत्ति के रूप में संदर्भित करता है जिसे बैंक द्वारा बनाए रखा जाना आवश्यक है। स्फीतिक अंतराल की स्थिति में एसएलआर को बढ़ाया जाता है। यह वाणिज्यिक बैंकों की साख सृजन क्षमता को कम करता है और अर्थव्यवस्था में मुद्रा के प्रवाह को कम करता है। इसके परिणामस्वरूप, समग्र मांग कम हो जाती है और अंततः अर्थव्यवस्था संतुलन प्राप्त कर लेती है। (2) रेपो दर: वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकाल के लिए राशि उधार देता है। स्फीतिक अंतराल को ठीक करने के लिए रेपो दर में वृद्धि की जाती है। जिसके कारण, वाणिज्यिक बैंक ब्याज की बाजार दर बढ़ाते हैं (वह दर जिस पर वाणिज्यिक बैंक उपभोक्ताओं और निवेशकों को पैसा उधार देते हैं)। इससे ऋण की मांग कम हो जाती है। परिणामस्वरूप, उपभोग व्यय और निवेश व्यय कम हो जाते हैं जो स्फीतिक अंतराल को ठीक करने हेतु समग्र मांग में कमी के लिए आवश्यक हैं।	1.5 1.5
12	(a) Sales = Net value added at factor cost - Change in stock + Intermediate cost + Consumption of fixed capital + Net indirect tax = 300 - (-) 60 + 240 + 40 + (30 - 0) = 670 Sales = ₹ 670 Lakh. (b) (i) No, not included in national income as it is a transfer payment. It is not received by the factors of production. Hence, not a factor income. (ii) Yes, included in the estimation of national income because it is final investment expenditure of the firm/factory **OR** (a) NNPfc = Compensation of employees + Mixed income of self-employed + Operating surplus + Net Factor income from abroad = 1900 + 700 + 720 + (-20) = 3320 – 20 = Rs 3300 Crore (b) The end-use of the machines determines whether it is a Capital good or not. Capital goods are those fixed assets of the producers which are used in the process of production for several years and which are of high value. Therefore only those machines which are used for further production are capital goods. (अ) बिक्री = कारक लागत पर शुद्ध मूल्य वृद्धि - स्टॉक में परिवर्तन + मध्यवर्ती लागत + अचल पूंजी का उपभोग + शुद्ध अप्रत्यक्ष कर = 300 - (-) 60 + 240 + 40 + (30 - 0) = 670	3 2 3 2 3

	बिक्री = ₹ 670 लाख। (ब) (i) नहीं, राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं है क्योंकि यह एक हस्तांतरण भुगतान है। यह उत्पादन के कारकों द्वारा प्राप्त नहीं होता है। इसलिए, एक कारक आय नहीं है। (ii) हां, राष्ट्रीय आय के आकलन में शामिल है क्योंकि यह फर्म/कारखाने का अंतिम निवेश व्यय है अथवा (अ) साधन लागत पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNPfc) = कर्मचारियों का पारिश्रमिक + स्वनियोजितों की मिश्रित आय + प्रचालन अधिशेष + विदेश से शुद्ध कारक आय = 1900 + 700 + 720 + (-20) = 3320 - 20 = रु 3300 करोड़ (ब) मशीनों का अंतिम उपयोग यह निर्धारित करता है कि यह पूंजीगत वस्तु है या नहीं। पूंजीगत वस्तुएं उत्पादकों की वे अचल संपत्तियां हैं जिनका उपयोग कई वर्षों तक उत्पादन की प्रक्रिया में किया जाता है और जो उच्च मूल्य के होते हैं। इसलिए केवल वे मशीनें जिनका उपयोग आगे के उत्पादन के लिए किया जाता है, पूंजीगत वस्तुएं हैं।	**2** **3** **2**
13	(a)The given statement is defended because India has availability of world class doctors and world class treatment at affordable prices.India is well with the hospitals having the state of art technology and strong Pharma sector. (b) Functions of environment are - 1.Provide resources for production - Environment supply renewable and non-renewable resources. The natural resources provided by environment are used as input for production. 2. Assimilates waste - The process of production and consumption activities generate a lot of waste, which is absorbed by the environment. 3. Aesthetic services - Environment includes land, forest, water bodies, rainfall, air, atmosphere etc. People enjoy the scenic beauty of these elements (like hill station). Such elements help in improving quality of life. 4. Sustain life - Some basic necessities of life (soil, water, air) are part of the environment. So a calm environment sustains Life by providing these Essential elements. **(Any three relevant functions)** (अ) दिए गए कथन का समर्थन किया जाता है क्योंकि भारत मे विश्व स्तर के डॉक्टरों की उपलब्धता और सस्ती कीमतों पर विश्व स्तरीय उपचार उपलब्ध है। भारत में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और मजबूत फार्मा क्षेत्र वाले अस्पताल है। (ब) पर्यावरण के कार्य हैं - 1.उत्पादन के लिए संसाधन प्रदान करना - पर्यावरण नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय संसाधनो की पूर्ति करता है। पर्यावरण द्वारा उपलब्ध कराए गए प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग उत्पादन में आगत के रूप में किया जाता है। 2. अपशिष्ट को आत्मसात करता है - उत्पादन और उपभोग गतिविधियों की प्रक्रिया से बहुत अधिक अपशिष्ट उत्पन्न होता है, जिसे पर्यावरण द्वारा अवशोषित किया जाता है। 3. नैसर्गिक सेवाएं - पर्यावरण में भूमि, जंगल, जल निकाय, वर्षा, वायु, वातावरण आदि शामिल हैं। लोग इन तत्वों (जैसे हिल स्टेशन) की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लेते हैं। ऐसे तत्व जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने में मदद करते हैं। 4. जीवन को बनाए रखना - जीवन की कुछ बुनियादी जरूरतें (मिट्टी, पानी, हवा) पर्यावरण का हिस्सा हैं। तो एक शांत वातावरण इन आवश्यक तत्वों को प्रदान करके जीवन का निर्वाह करता है। **(कोई तीन उपयुक्त कारण)**	**2** **3** **2** **3**